बाघ के गले में घंटी

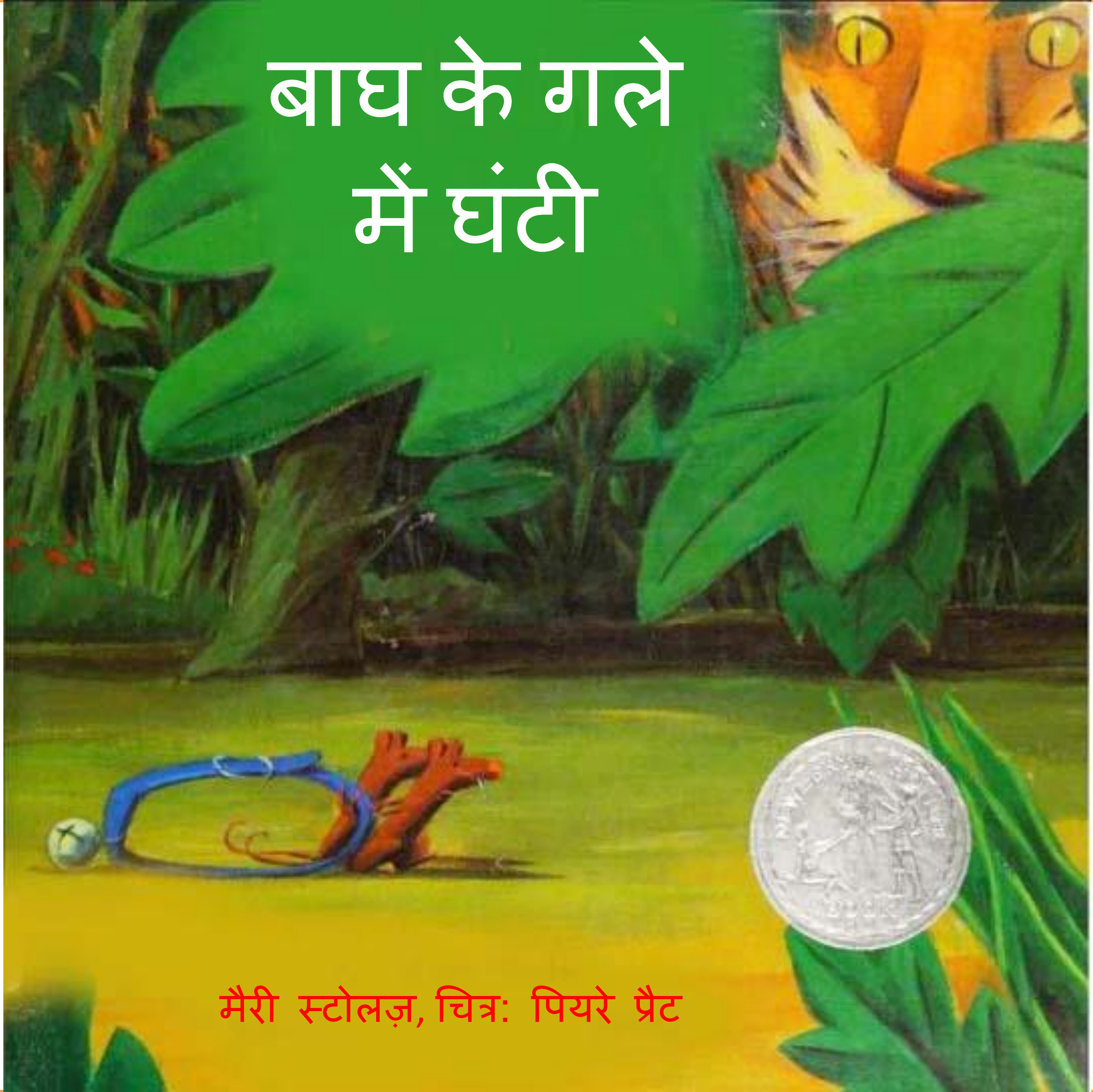

मैरी स्टोलज़, चित्र: पियरे प्रैट

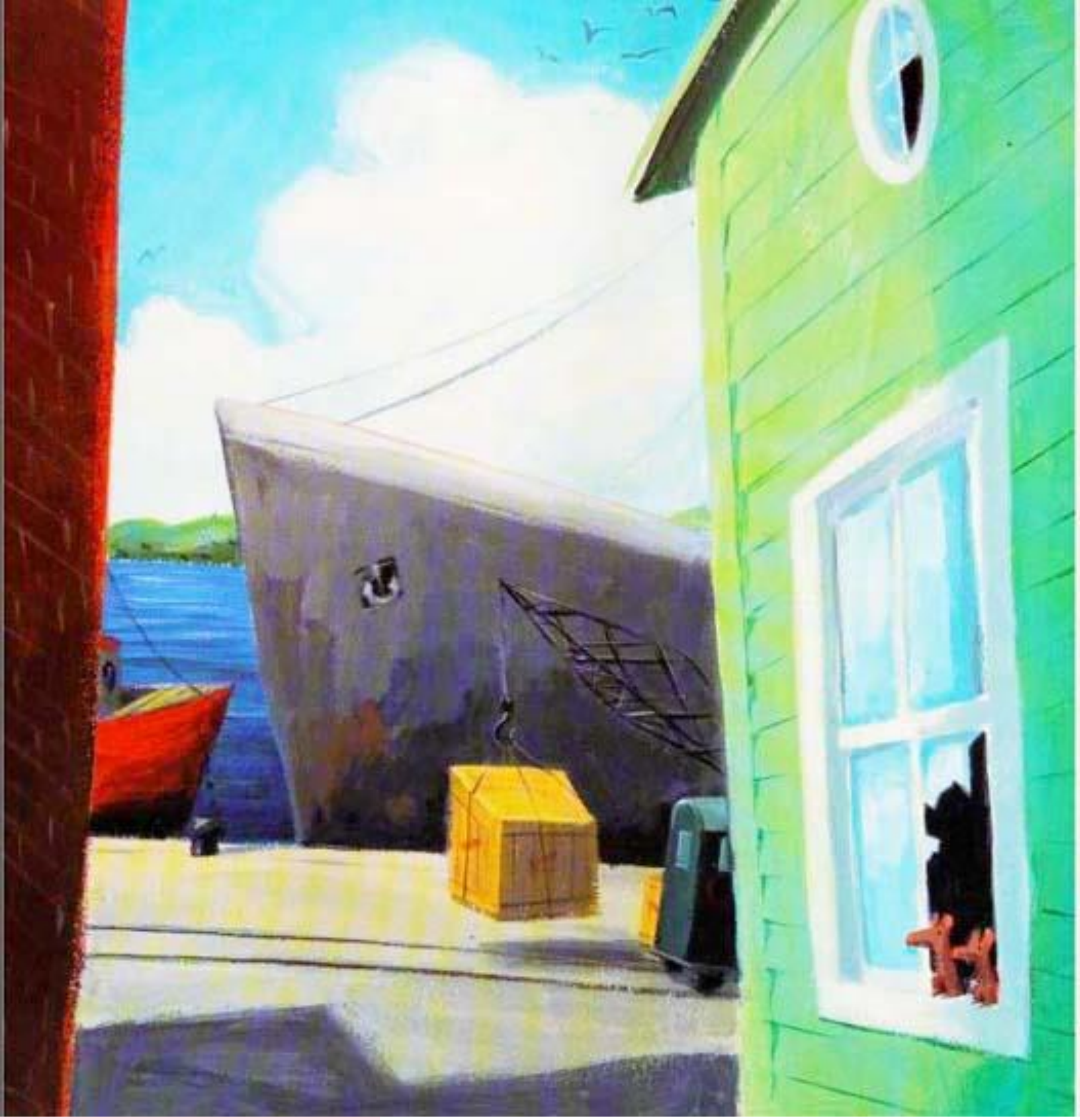

बाघ के गले में घंटी

मैरी स्टोलज़, चित्र: पियरे प्रैट

समुद्र तट के किनारे बसे शहर में गोदी के पास एक घर की कोठरी में चूहे मिले और उन्होंने बिल्ली के गले में घंटी बाँधने का निर्णय लिया. जब से बिल्लियाँ और चूहे पृथ्वी पर हैं तब से चूहे कोठरियों में मिलते रहे हैं और एक-दूसरे को बताते रहे हैं कि बिल्ली के गले में घंटी बांधना कितना अच्छा विचार होगा. कॉलर में घंटी बंधी होती है. अगर आप उसे बिल्ली के गले में लटका देंगे तो फिर उसके बाद आप बिल्ली के आने की आवाज़ को हमेशा सुन पाएंगे.

"यह कितनी समझदारी की बात है," एक किचिन चूहे ने लिविंग-रूम वाले चूहे से कहा. "इससे पहले किसी के दिमाग में यह सुन्दर विचार क्यों नहीं आया?"

"मुझे लगता है कि किसी ने वो बात ज़रूर सोची होगी," लिविंग-रूम वाले चूहे ने कहा. वो चूहा पुस्तकालय का काम देखता था. लेकिन किसी ने भी उसकी बात नहीं सुनी.

"बैठक अब शुरू होती है," उनके नेता पोर्टमैन ने कहा. वो रसोई में रहने वाला एक मोटा चूहा था. उसका रंग चांदी की तरह धूसर था और वो तहखाने से लेकर अटारी तक की सभी बातें अच्छी तरह जानता था. वो एक अत्यंत भयंकर चूहा था और अन्य सभी चूहे बिना किसी प्रश्न के उसकी बात मानते थे.

अब उसने बैठक को चारों ओर देखा, जो छोटी थी पर जिस बिल्ली के बारे में वे चर्चा कर रहे थे वो बहुत बड़ी थी. फिर पोर्टमैन ने कहा, "दोस्तों, समय आ गया है और अब हम जुलाई नाम की उस बिल्ली को मुक्त घूमने की इज़ाज़त नहीं दे सकते हैं. वो बिल्ली लगातार हमारी आबादी कम कर रही है और उसने हम सभी के लिए ज़िंदगी जीना दुश्वार कर दिया है."

"बिल्कुल सच," बैठक ने आए एक चूहे ने कहा.

"इसलिए," पोर्टमैन ने चीख़ कर कहा, "आपकी संचालन समिति आपके सामने समस्या का एक समाधान रखती है."

"यह संचालन समिति क्या बला है?" दो सबसे छोटे चूहों में से, बॉब ने अपने भाई ओज़ी से पूछा.

"देखो पोर्टमैन और उसके मित्रों ने बैठक शुरू होने से पहले वो निर्णय ले लिया है जिसे सबको मिलकर बैठक में लेना चाहिए था," ओज़ी ने कहा.

"क्या वो उचित है?" बॉब ने पूछा.

"देखो, ऐसा की होता है," ओज़ी ने कहा.

"अच्छा," बॉब ने कहा.

उन्होंने अपने छोटे से जीवन में एक बात सीखी थी. जो बात परंपरागत होती है, उसके साथ बहस नहीं की जा सकती है. परंपरा ने ही यह सुनिश्चित किया था कि छोटे चूहों की जुबां बंद रखी जाए, उन्हें खाने को झूठन के छोटे-मोटे टुकड़े ही दिए जाएं उन्हें उन जगहों पर रखा जाए जहां असल में उन्हें नहीं होना चाहिए था. बॉब और ओज़ी तहखाने के चूहे थे, पर बॉब को अँधेरे तहखाने में रहना बिल्कुल पसंद नहीं था. वहां पर नमी थी और पर्याप्त रोशनी नहीं थी.

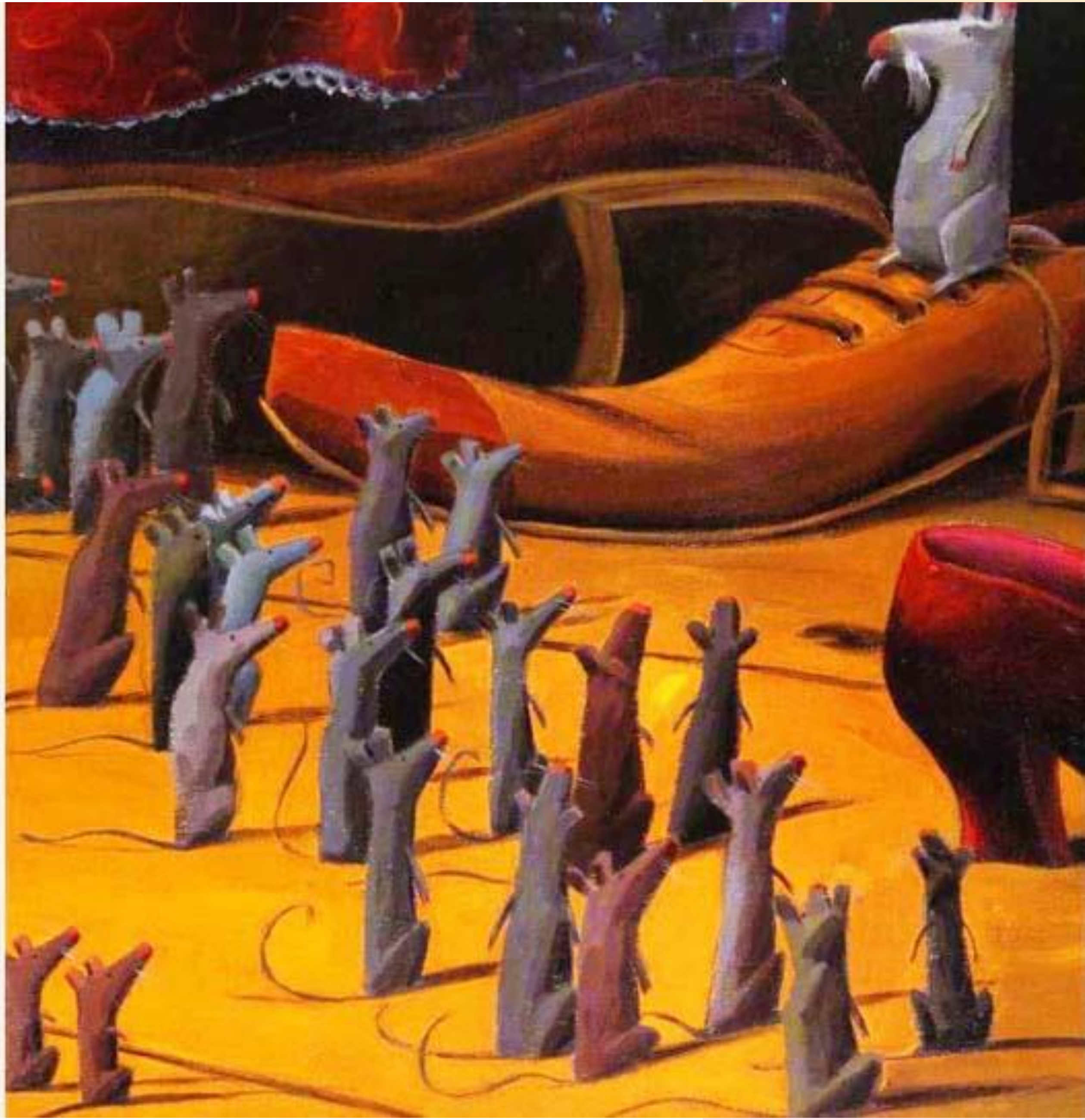

"अब," पोर्टमैन ने गंभीरता से कहा. "आपकी संचालन समिति ने फैसला किया है कि जुलाई बिल्ली के गले में बिना किसी देरी के घंटी बांधनी चाहिए. हम यहां यह तय करने के लिए मिले हैं कि इस सम्मान के लिए हम में से किस चूहे को चुना जाए."

"हम बहुत छोटे हैं," ओज़ी ने अपने भाई के कान में कहा. "हमें भला इतने बड़े काम से क्या लेना-देना. हम उनकी बातें नहीं सुनेंगे."

दोनों भाई एक-दूसरे के गले लगे लेकिन फिर भी वे पोर्टमैन जितने मोटे नहीं थे.

बड़े चूहों ने काफी देर तक बातचीत की. उन्होंने मीटिंग की गरिमा को बढ़ाने के लिए उसी बात को अलग-अलग तरीकों से कहा. फिर उन्होंने घोषणा की कि घंटी बाँधने वाले हीरो चूहे के चुनने का समय आ गया था.

"हम इस तरह से अपना हीरो चुनेंगे," पोर्टमैन ने कहा, "जब मैं इशारा करूंगा तब हर कोई चूहा किसी और चूहे को देखेगा. जिस चूहे को हममें से अधिकांश लोग देखेंगे, वही हमारा चुना हुआ हीरो होगा."

यह सब समझ गए कि क्योंकि पोर्टमैन उनका लीडर था इसलिए उसकी ओर कोई नहीं देख सकता था.

"चलो निर्णय लो!" पोर्टमैन चिल्लाया.

कोई भी कठोर भावना पैदा नहीं करना चाहता था इसलिए सभी बड़े चूहों ने दूसरे बड़े चूहों की तरफ नहीं देखा. अंत में उन्होंने हॉल के पीछे दो सबसे छोटे चूहों को देखा जिन्होंने एक-दूसरे को देखने की गलती की थी.

"यह एक न्यायसंगत और सर्वसम्मत निर्णय है," पोर्टमैन ने कहा. "दोनों नायकों को सामने आने दो."

बॉब और ओज़ी आगे बढ़े.

"हम हीरो बनने के लिए बहुत छोटे हैं," पोर्टमैन के सामने खड़े होकर ओजी ने घबराकर कहा. पोर्टमैन की तेज आँखों ने उन्हें डरा दिया और फिर दोनों भाइयों ने आराम के लिए अपनी पूंछों को एक साथ घुमाया.

"बकवास!" पोर्टमैन ने कहा. "देखो, हमेशा सबसे छोटे बेटे को ही किसी साहसिक कार्य के लिए चुना जाता है. यह हमारी परंपरा है. अगर सबसे छोटे बेटे जुड़वाँ होते हैं ... तो वो काम उन दोनों को सौंपा जाता है."

कुछ क्षणों के बाद उस कोठरी में दो सबसे छोटे चूहों को छोड़कर बाकी सभी चूहे गायब थे. दोनों छोटे चूहे एक-दूसरे की नाक रगड़कर एक-दूसरे की आँखों में देख रहे थे.

"उनका मतलब हम से है," ओज़ी ने कहा. "हमें हीरो बनना है."

"मुझे भी ऐसा ही लगता है," बॉब ने चारों ओर देखते हुए कहा. "बाकी सब चूहे चले गए हैं. तुम्हें क्या लगता है? हम कैसे शुरू कर सकते हैं?"

ओज़ी ने कहा कि उसे नहीं पता था. "पर बिल्ली कहाँ है?" उसने पूछा.

"कॉलर कहाँ है?" बॉब ने पूछा.

दोनों में से बिल्ली को ढूंढना आसान होगा. इसलिए उन्होंने मुश्किल चीज़ यानी कॉलर की तलाश करने का फैसला किया. घर में उस जैसी कोई चीज़ नहीं थी. उन्हें कॉलर के लिए समुद्र तट के किनारे की दुकानों पर जाकर देखना पड़ेगा कि वहाँ उन्हें घंटी वाला कॉलर मिलता है या नहीं.

फिर वे फर्श की लकड़ियों की एक दरार के बीच से बगीचे में फिसले. वे घर के बाहर पत्थर वाली सड़क पर भागे. वे इतनी तेज़ी से चले जैसे - पंसारी, दर्जी, मछुआरे और बेकर की दुकानों के सामने से भागने के लिए उनके पैरों में छोटे पहिये लगे हों. अंत में वे हार्डवेयर स्टोर के सामने जा पहुंचे.

वहाँ, उन्हें सिर के ऊपर एक शेल्फ पर, कुछ रस्सियों और घंटियों के साथ कई कॉलर भी दिखाई दिए. "बिल्लियों के लिए," वहां एक संकेत लगा था.

"हम सही जगह पर आए हैं." बॉब ने कहा. "अब सवाल यह है कि हम इतनी ऊपर कैसे चढ़ें?"

फिर दोनों छोटे चूहों ने अपना सिर ऊपर किया, अपनी पूंछ घुमाई और दूरी का अध्ययन किया.

"ठीक है," ओज़ी ने काफी देर तक देखने के बाद कहा. "हम में से एक को वहाँ चढ़ना चाहिए और शेल्फ में से एक कॉलर को नीचे गिराना चाहिए और फिर हम दोनों को उसे जल्दी से उठाना चाहिए और उतनी ही तेजी से दौड़कर घर वापस जाना चाहिए."

"तो फिर हम क्या करें?" बॉब ने बेचैनी से कहा.

"बढ़िया," ओज़ी ने कहा, जो पहले ही हीरो बनने से थक गया था.

वे एक ठेले की छाया में बैठ गए और समस्या पर विचार करने लगे. वहां पर बक्सों का ढेर था जो शायद चढ़ने में उनकी मदद करे. लेकिन अंतिम बक्से से उस शेल्फ जहाँ कालर रखा था तक पहुंचने के लिए एक बेहद लम्बी छलांग लगानी होगी. उनमें से कोई भी वो छलांग लगाने की कोशिश नहीं करना चाहता था.

वे ऊपर की ओर देखते रहे, और बहुत देर तक घूरते रहे. कॉलर की पहुँच उन्हें बहुत मुश्किल लग रही थी. वो बक्सों से शेल्फ तक भला कैसे कूदेंगे?

"चलो घर चलते हैं और सबको बताते हैं कि हमें कोई कालर नहीं मिला," बॉब ने कुछ देर के बाद कहा. लेकिन ओज़ी ने कोई जवाब नहीं दिया. क्योंकि वो लंबी छलांग या बिल्ली जुलाई के खतरे से भी ज्यादा, उस भयानक पोर्टमैन से डरता था. वे ऊंचा कूदने की कोशिश कर सकते थे. शायद जुलाई बिल्ली कभी उनके तहखाने में नीचे नहीं आए लेकिन पोर्टमैन से उनका पीछा कभी नहीं छूट सकता था.

"ठीक है," ओज़ी ने अचानक कहा, "चलो, मैं जाता हूँ."

इससे पहले कि बॉब कुछ बोल पाता, ओज़ी बक्सों के ऊपर चढ़ गया था. जब वो शीर्ष पर पहुंचा, फिर उसे सोचने या दूरी के आकलन में समय नहीं लगा - वो बस हवा में कूदा और सीधा शेल्फ पर जाकर गिरा. फिर उसने कॉलर को हिलाया और उसे असंतुलित किया. धीरे से शेल्फ हिला, और झुका हुआ कॉलर नीचे खिसकने लगा और फिर घंटी बजाता हुआ बॉब के ठीक बगल में आकर गिरा.

"चोट तो नहीं लगी?" बॉब चिल्लाया.

"वो हम बाद में देखेंगे," ओज़ी ने कहा. फिर उन दोनों ने अपने छोटे नुकीले दांतों में उस चमकीले नीले कॉलर को पकड़ लिया और भागना शुरू किया. हार्डवेयर स्टोर का मालिक दुकान के दरवाज़े पर ऊपर-नीचे कूदता हुआ दिखाई दिया. कॉलर पीछे की ओर झुका हुआ था. चूहों को अपने सिर को पूरी तरह कॉलर से ढंकने से रोकने के लिए उन्हें अपने सिर को झुकाना पड़ा. वे कॉलर का घेरा पकड़े हुए बहुत तेज़ी से दौड़े. वो यह देखने में असमर्थ थे कि वे कहाँ जा रहे थे.

अचानक उन्होंने अपने पीछे एक मधुर आवाज़ सुनी, एक ऐसी ध्वनि जिसका केवल एक ही अर्थ हो सकता था - बिल्ली. एक बिल्ली उनका पीछा कर रही थी.

वे अपना पूरा दम लगाकर दिशा की समझ खोते हुए आँख बंद करके भागे. उन्होंने पत्थर की सड़कों को पार किया और गोदी भी पार की. लेकिन वो बिल्ली उनके पीछे-पीछे दौड़ रही थी. एक पल के लिए भी दोनों चूहों ने कॉलर छोड़ने के बारे में नहीं सोचा. वो उनकी बड़ी उपलब्धि थी, जो उन्होंने दुनिया में पहली बार हासिल की थी और उन्होंने उसे जाने नहीं दिया. वे उसे पकड़कर घाट से नीचे उतरे, एक बड़ी रस्सी पर, और फिर एक जहाज के डेक पर.

वहाँ वे रुक गए और कॉलर के घेरे में बैठ गए, उनकी पूंछ एक-दूसरे की पीठ पर टिकी हुई थी और वे गोदी में नीचे की ओर देख रहे थे, जहाँ एक बड़ी बिल्ली ने उन्हें अपनी चमचमाती आँखों से ताक रही थी. आलस्य से, जैसे कि उसके पास दुनिया भर का समय था, बिल्ली जहाज़ के लकड़ी के पटरे की ओर चलने लगी.

"अब क्या?" बॉब ने कहा. "क्या हमें फिर से रस्सी के नीचे जाना होगा?"

ओज़ी ने कहा, "शायद नहीं."

"लेकिन अगर हम यहाँ रहते हैं, तो उसे हमारा शिकार करने के लिए पूरे जहाज में हमें खोजना होगा."

तभी डेक पर एक आदमी चिल्लाया, "उस बिल्ली को ले जाओ!" और इससे पहले कि वो आत्मविश्वासी बिल्ली जहाज़ तक पहुंच पाती उसे उठाकर गोदी पर डाल दिया गया. और तभी जहाज ने हॉर्न बजाया और गोदी छोड़ने का ऐलान किया.

बॉब और ओज़ी ने बिल्ली का मज़ाक उड़ाया. लेकिन बिल्ली ने उन्हें अनदेखा करने का नाटक किया. उसने दिखावा किया कि वो वास्तव में जहाज़ पर बिल्कुल भी चढ़ना नहीं चाहती थी. बिल्ली ने अपने पंजे धोने का नाटक किया.

"बिल्लियाँ बहुत गर्वीली होती हैं," बॉब ने कहा.

"हां," ओज़ी ने कहा. "बिल्लियाँ अपने गौरव के लिए जानी जाती हैं."

वे नीले कॉलर के घेरे के भीतर बैठ गए. वे बिल्ली को छोटा और छोटा होते हुए देख रहे क्योंकि अब जहाज गोदी को पीछे छोड़ रहा था.

"ऐसा लगता है जैसे हम समुद्र में जा रहे हैं," ओज़ी ने थोड़ी देर बाद कहा.

"पोर्टमैन, इसे बिल्कुल पसंद नहीं करेगा," बॉब ने कहा.

उस सोच से ही वे घबरा गए. पोर्टमैन उन्हें सख्त सजा देगा. वे जितनी ज़्यादा देरी करेंगे उतनी ही कठिन सजा भुगतेंगे. यह सोच उनके लिए बहुत भयानक था.

इसलिए, उन्होंने इसके बारे में नहीं सोचने का फैसला किया.

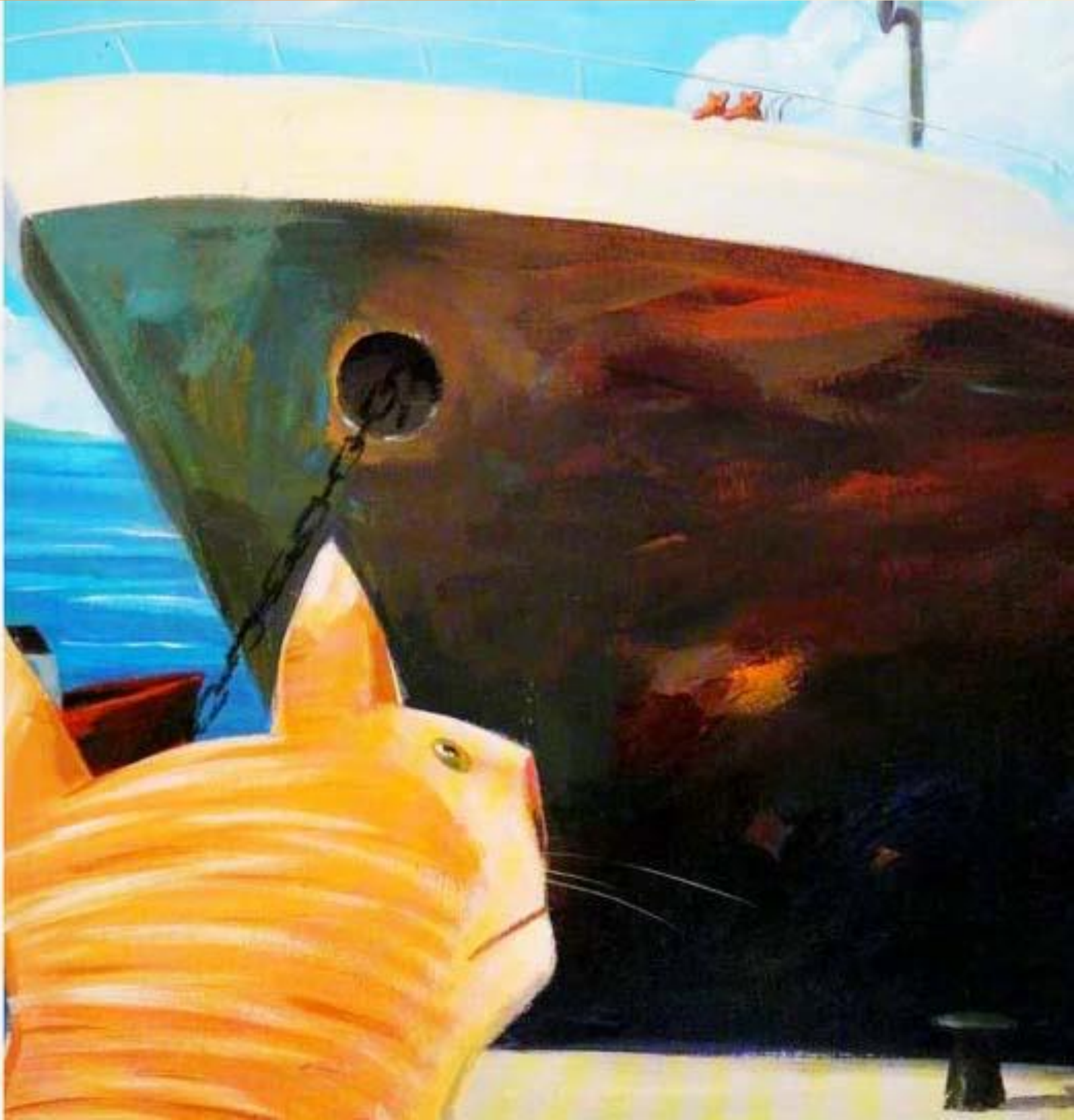

उन्हें अपने कॉलर को रखने के लिए कोई जगह ढूंढनी थी और फिर अपने खाने की व्यवस्था के बारे में देखना था. फिर एक पूरे दिन और रात उन्हें पोर्टमैन के बारे में सोचने का मौका ही नहीं मिला.

"हमें क्या तय करना है," ओज़ी ने एक रात कहा, जब वे जहाज की गैली के एक कोने में लुढ़के हुए एक रोटी के टुकड़े को चबा रहे थे, "जब जहाज़ दूसरे बंदरगाह पर रुकेगा तो हमें क्या करेंगे? मेरा मतलब है, अभी यहाँ हम एक समुद्री यात्रा कर रहे हैं, और जब तक हम वापस नहीं आते, तब तक हम जुलाई बिल्ली के गले में घंटी भी नहीं बाँध सकते हैं. दूसरी ओर, हम वापसी की अपनी यात्रा कब करेंगे? अभी हमारे पास मौका है एक दूसरे देश को देखने का और उस मौके का हमें पूरा फायदा उठाना चाहिए."

"पोर्टमैन इसे पसंद नहीं करेगा," बॉब ने कहा.

"देखो," ओज़ी ने सोच-समझकर कहा, "लेकिन अब पोर्टमैन मुझे उतना डरावना नहीं लगता. क्यों?"

"नहीं," बॉब ने कहा. "लेकिन जब हम फिर से घर वापस लौटेंगे तो पोर्टमैन डरावना लग सकता है."

ओज़ी ने एक किशमिश खत्म की और फिर अपनी मूंछों को चिकना किया. "चलो इसके बारे में हम घर पहुंचकर चिंता करेंगे," उसने कहा.

रात को जहाज बंदरगाह के साथ बंधा था. इसलिए दोनों चूहे नए देश को देखने के लिए रस्सी से नीचे फिसल गए. हो सकता है कि किसी ने घंटी की आवाज़ सुनी हो क्योंकि उन्होंने कॉलर को अपने सिर के ऊपर उठाया था. लेकिन किसी ने उस पर ध्यान नहीं दिया, और वे बिना किसी रुकावट के अंधेरे में चलने लगे.

वो एक नया देश और एक अजीब देश था. वहां मोटी टहनियों वाली बेलें, विशाल गूदेदार पत्तों और रसीली घास वाली ज़मीन थी. वो रहस्यमय ध्वनियों की भूमि थी. वहां पर तमाम अजीबो-गरीब आवाज़ें थीं.

एक लंबा रास्ता तय करने के बाद वे एक पौधे के पास आराम करने के लिए रुके, जिसका फूल एक बड़ी हरी तुरही (ट्रम्पेट) की तरह दिखता था.

बॉब ने कहा, "हमारे यहाँ के मुकाबले, इस देश में रात में में बहुत अधिक शोर होता है."

"मैं सोच रहा हूँ कि वे गर्जन वाली आवाज़ें क्या हैं," ओज़ी ने कहा. उसने हवा को सूँघा और अपना सिर अगल-बगल से घुमाया. "बॉब मुझे यहाँ पर एक बिल्ली के होने का एहसास हो रहा है. जुलाई की तरह बिल्ली नहीं, लेकिन फिर भी ... बिल्ली. क्या तुम मेरा मतलब समझ रहे हो?"

बॉब ने सिर हिलाया. वह असहज था, लेकिन अपने भाई को परेशान करने के लिए उसे डर दिखाना पसंद नहीं था. वो चाहता था कि उनमें से एक तो हिम्मत रखे, और उसे लगा कि ओज़ी उस काम के लिए बेहतर होगा. लेकिन वो भी वहां एक बिल्ली को महसूस कर रहा था. वो बिल्ली शायद जुलाई से बड़ी थी लेकिन थी उसी के परिवार की.

"शायद हमें जहाज पर वापस जाना चाहिए," उन्होंने कहा.

"लेकिन जहाज कहाँ है?" ओज़ी ने पूछा.

उन्हें उसका पता नहीं था.

"ठीक है," ओज़ी ने कहा. "शायद बेहतर होगा कि अब हम सो जाएं."

इसलिए, उन्होंने तुरही के पौधे की सुरक्षात्मक पत्तियों के नीचे कॉलर को खींच लिया और अपनी पूंछ को एक साथ लूप किया और फिर दोनों भाई सो गए.

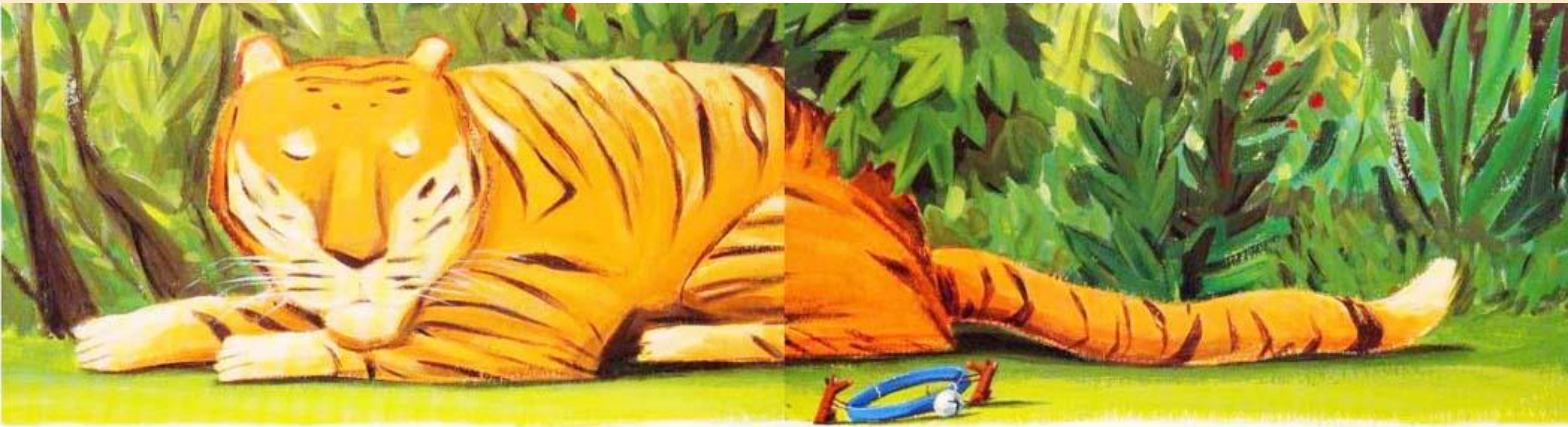

भोर में जब वे जागे तो एक गर्म धुंध थी और ओस की बूंदे लताओं और पत्तियों से टपक रही थीं. हवा अभी भी चीखों और खर्राटों से भरी हुई थी और उन्हें किसी जीवित प्राणी का अहसास हो रहा था.

बॉब और ओज़ी ने तुरही के पौधे की तहों के बीच से झाँका. उन्हें अपने घर के शांत तहखाने की याद आने लगी. "यह क्या है?" ओजी ने कहा. वो अपने पास एक काले-सोने की चीज को देख रहा था. वो धुंधली थी. वो सांस ले रही थी. वो इतनी बड़ी थी कि ओज़ी को वो एक पहाड़ जैसी दिखी.

"मुझे नहीं लगता कि पहाड़ सांस लेते हैं," बॉब ने ट्रम्पेट प्लांट के नीचे से रेंगते हुए कहा. उसने अपनी नाक के पास एक बड़ी वस्तु देखी. अचानक उसकी मूंछें कांपने लगी. "यह एक पंजा है," वो फुसफुसाया.

"पंजा?" ओज़ी ने कहा. "क्या पंजा?"

"मुझे क्या पता कि वो किसका पंजा है?" बॉब ने बहुत उत्साहित होकर कहा. "लेकिन आओ और आकर देखो. वो एक पंजा है. और वो किसी बिल्ली के पंजे जैसा ही दिखता है." उसने अपने सिर को पीछे की ओर तब तक ऊपर किया, लेकिन काली-सोने की धारियां आसमान तक पहुँचती दिख रही थीं.

ओज़ी ने आकर पंजे का अध्ययन किया. वो इस बात से सहमत हुआ कि आकार को छोड़कर उस पंजे की हर चीज़ जुलाई बिल्ली जैसी ही थी.

"लेकिन वो बिल्ली कैसे हो सकती है?" उसने मांग की. "वो उसे घर में नहीं ला सकते हैं."

"चलो इसके चारों ओर चलते हैं," बॉब ने कहा.

उन्होंने उस चीज़ के चारों ओर परिक्रमा लगाई और उसे हर कोण से, यहाँ तक कि ऊपर से भी देखा. बेहतर नज़र आने के लिए वे कुछ लताओं पर भी चढ़े. उन्हें वो एक बिल्ली जैसी ही नज़र आई. वो सौ या दो सौ जुलाई बिल्लियों से भी बड़ी थी, लेकिन थी वो कोई बिल्ली ही!

"क्या तुम्हें डर लग रहा है?" बॉब ने पूछा.

"मुझे ऐसा नहीं लगता. मेरा मतलब है मैं इससे उतना नहीं डरता जितना कि मैं जुलाई बिल्ली से डरता हूं," ओज़ी ने कहा.

"या फिर पोर्टमैन से."

"या पोर्टमैन," ओज़ी अपने भाई से सहमत था.

"हमें इस बात का कोई अंदाज़ नहीं था कि बिल्ली इतनी बड़ी हो सकती है," बॉब ने हैरानी से कहा.

"शायद हमारा यहाँ से चले जाना ही बेहतर होगा," ओज़ी ने कहा. "मुझे लगता है कि हमने पर्याप्त विदेशी ज़मीन देख ली है, क्यों है ना?"

"नहीं," बॉब ने कहा और भाई को जाने से रोका. "नहीं, मेरे दिमाग में एक विचार है."

जब से वे पैदा हुए थे, तब से हमेशा ओज़ी को ही नए विचार आते थे. बॉब के दिमाग में पहली बार कोई नया विचार आया था. इसलिए भले ही वह बहुत चाहता था कि वो जहाज को ढूंढे और घर जाए लेकिन ओजी ने बॉब के विचार का इंतजार करने का फैसला किया.

"चलो," बॉब ने रोमांचित होकर कहा, "चलो इस बिल्ली के गले में घंटी बांधते हैं."

उन्होंने एक-दूसरे को बहुत देर तक देखा, और फिर दोनों का सिर जबरदस्त सोने वाले उस जीव की ओर गया.

"वो एक बिल्ली है," बॉब ने जोर देकर कहा. "शायद सबसे बड़ी बिल्ली है जो कभी किसी ने देखी है. देखते हैं कि क्या हम उसे घंटी पहना सकते हैं."

ओज़ी अब उत्साह से भर गया और उसने नीले कॉलर की ओर देखा. उसका सिर झुक गया. "ओह बॉब! तुम कितने मूर्ख हो. यह कॉलर इतना छोटा है कि वो उसकी नाक के चारों ओर भी नहीं जाएगा."

"क्या कालर उसकी पूंछ में बैठ जाएगा?" बॉब ने विजयी लहज़े में पूछा.

वे आनंद के उन्माद में इधर-उधर भागने लगे. वो नीला कॉलर उस विशाल बिल्ली की पूंछ में अच्छी तरह से चला जाता, और फिर वे दोनों हीरो होते. जब आप इस तरह की विशाल बिल्ली को घंटी बाँध सकते हैं तो फिर आप जुलाई बिल्ली पर घंटी बाँधने की परवाह क्यों करें?

"पोर्टमैन उसकी ज़रूर परवाह करेगा," ओज़ी ने कहा.

वे चुप हो गए, और इस पर विचार करने के लिए बैठ गए. हां, पोर्टमैन वास्तव में बहुत परवाह करेगा, और वो वास्तव में बहुत क्रोधित होगा. उन्होंने इसके बारे में सोचा, और फिर उन्होंने उस काले और सोने, सांस लेने वाले पहाड़ को देखा, विशेष रूप से उसकी हिलती हुई पूंछ को देखा. फिर अचानक बॉब ने कहा, "पोर्टमैन की अब किसको परवाह है?"

एक पल के लिए ओज़ी चकित हुआ, और फिर वो यह कहते हुए उछल पड़ा. "कौन परवाह करता है, कौन परवाह करता है, कौन परवाह करता है कि पोर्टमैन क्या सोचता है ...?" और फिर बड़े ध्यान से वे कॉलर को धीरे से पूंछ के अंत तक खींच लाए.

"अब देखो," ओज़ी ने कहा. "हम कॉलर को ऊपर रखेंगे और अगली बार जब पूँछ हिलेगी... तो हम उसे पूँछ में डाल देंगे."

बॉब ने खुशी से सिर हिलाया. उन्होंने कॉलर को अपने पंजों में उठा लिया और इंतजार कर रहे. एक चिकोटी. . . वे कुछ आगे को झुके. .. नहीं. बहुत देर हो गई. उन्होंने फिर इंतजार किया. फिर पूँछ झुकी. . . पर इस बार बहुत देर हो चुकी थी. . . फिर प्रतीक्षा, और फिर एक अन्य चिकोटी. . . आगे झुक गए. . . और अंत में कॉलर बड़ी पूंछ के काले मोटे फर के चारों ओर था. . .

फिर जो हुआ उसकी उन्हें उम्मीद नहीं थी?

उनके पास कॉलर को छोड़ने का समय ही नहीं था. तुरंत वो पूंछ हवा में ऊंची उठ गई और दोनों चूहे उससे लटक गए. दोनों लातें मार रहे थे और जोर से चिल्ला रहे थे, जबकि घंटी बज रही थी और पूंछ इधर-उधर हिल रही थी और चूहों के चारों ओर की दुनिया घूम रही थी. बॉब, जो बहुत साहसी बन रहा था, उसे वो मरने का एक शानदार क्षण नज़र आया लेकिन ओज़ी केवल यही चाहता था कि काश वे जहाज़ पर ही रहे होते.

वे लटकते और झूलते रहे. धीरे-धीरे पूंछ की गति धीमी हुई, फिर विशाल बड़ी बिल्ली का चेहरा जो उन्होंने कभी देखा था, उनकी ओर मुड़ा और उसने उनका अध्ययन किया. बॉब और ओज़ी ने अपनी आँखें बंद कर लीं. वो नजारा बेहद डरावना था.

"यह सब क्या है?" एक गहरी आवाज ने कहा. "वो क्या है जो मेरी पूंछ से जुड़ गया है?"

बॉब और ओज़ी ने कोई उत्तर नहीं दिया.

"बोलो!" आवाज ने और अधिक सख्ती के साथ कहा. दोनों चूहों ने महसूस किया कि उस आवाज़ में बहुत क्रोध नहीं था.

"वो हम हैं," चूहों ने जल्दी से कहा. "हम ओज़ी और बॉब हैं."

"ओज़ी और बॉब? ठीक है, ओज़ी और बॉब ज़रा अपनी आँखें खोलो."

डर से, धीरे-धीरे, उन्होंने अपनी आँखें खोलीं और साहस दिखाते हुए उन्हें फिर से बंद नहीं किया.

"तुम लोग वहाँ क्या कर रहे हो?" महान बिल्ली ने पूछा.

"लटके रहो," ओज़ी चिल्लाया.

"आराम से?" बड़ी बिल्ली ने कहा.

उन्होंने अपने सिर हिलाए.

बड़ी सावधानी से बिल्ली ने अपनी पूंछ को ऊपर की ओर घुमाया, जिससे चूहे उसकी पीठ पर अपने कदम रख सकते थे. चूहों की सांस की गति किसी जहाज की गति की तरह तेज़ थी. उन्होंने बड़ी बिल्ली के फर को पकड़कर खुद को स्थिर और संतुलित किया.

अपने पूरे साहस को इकठ्ठा करके बॉब ने कहा, "क्या ... मेरा मतलब है, क्या आप एक बिल्ली हैं?"

उस बड़े प्राणी ने सिर हिलाया. बॉब और ओज़ी जो उम्मीद कर रहे थे कि वो बात सच नहीं होगी, कांप गए और लटके रहे. वे एक बिल्ली के बगल में बैठे थे और उससे बात कर रहे थे, और नीचे उतरने का कोई रास्ता नहीं था. उन्हें लगा कि वो उनका अंत होगा.

"देखो," बिल्ली ने आगे बात बढ़ाई, "मैं वास्तव में एक बाघ हूँ."

"जुलाई भी वही है," ओज़ी ने हल्के से कहा. "एक बाघ बिल्ली."

"वो जुलाई कौन है?"

"वो एक बिल्ली है जो हमारे घर में रहती है," बॉब ने कहा.

"वो घर में रहती है?" बाघ ने कहा. "यह तो बड़ी हास्यास्पद बात है."

"ओह नहीं! जुलाई हमेशा से ही हमारे घर में रहती है. वो केवल आपके पंजे जितनी ही बड़ी है."

"एक शावक," बाघ ने कहा. "एक बच्चा. वो एक बच्चे के लिए भी छोटी है."

"जुलाई एक बच्चा नहीं है," ओज़ी ने कहा. "वो आठ साल की है."

"और मेरे पंजे जितना बड़ी है?" बाघ ने सोचा. "बड़ी उल्लेखनीय बात है. तुम किस देश से हो?"

ओज़ी और बॉब को पता नहीं था की वे किस देश से आए थे. लेकिन वे यह जानते थे कि जहाँ से वे आए थे वहां बिल्लियां छोटी होती थीं और घरों में रहती थीं.

"तुम इतने कांप क्यों रहे हो?" बाघ ने दिलचस्पी से पूछा. "तुम दोनों मेरे फर को इतने भयानक ढंग से हिला क्यों रहे हो."

"हम डरते हैं," बॉब ने शुरू किया और ओज़ी ने उसे चुटकी काटी. लेकिन बहुत देर हो चुकी थी और उसने यह कहकर अपनी बात समाप्त की, "क्या तुम हमें खाओगे."

"तुम्हे खा जाउंगा?" बाघ दहाड़ उठा. "क्यों! मैं जल्द ही ... एक चूहा खाऊंगा!"

दोनों भाई एक दूसरे की बाहों में गिर गए और मरने को तैयार हो गए.

"अब क्या बात है?" बाघ ने कहा.

"लेकिन हम तो चूहे हैं," ओज़ी ने कहा.

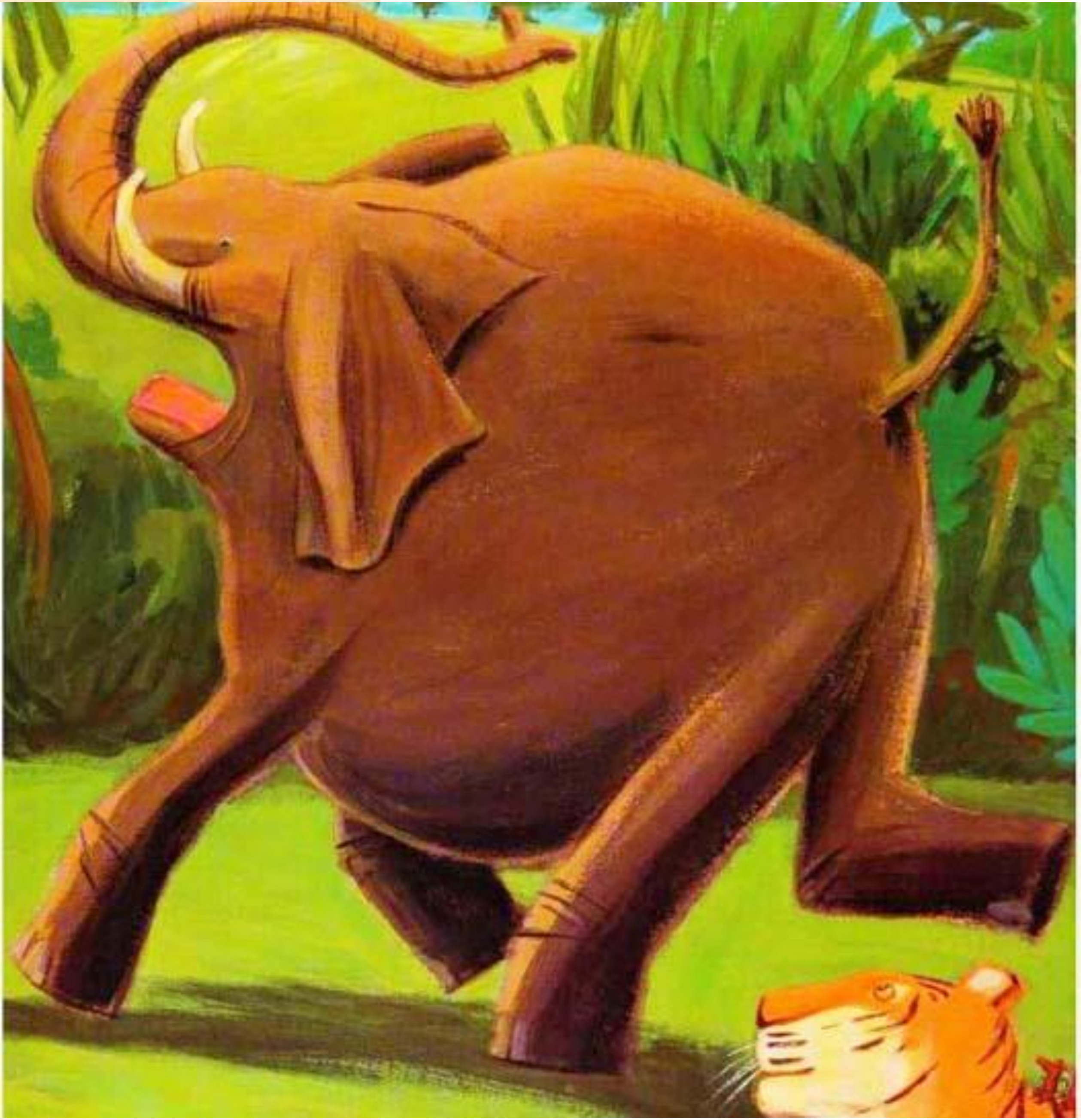

फिर बाघ ने उनका और भी अधिक रुचि के साथ अध्ययन किया. "देखो, क्या तुम जानते हो कि मैंने पहले कभी अपनी ज़िंदगी में कोई चूहा नहीं देखा है. मैंने उनके बारे में सुना ज़रूर है. वे हाथियों को डरा सकते हैं. लेकिन मैंने कभी भी किसी चूहे को नहीं देखा है."

"नहीं," उन्होंने कहा. दोनों चूहे उम्मीद कर रहे थे कि बाघ उन्हें नहीं खाएगा.

"हाथी क्या होता है?" ओज़ी ने बहुत सोचते हुए पूछा. उसने सोचा कि हाथी बहुत छोटा होगा जो चूहे से डरता होगा.

"ओह, वह बड़े कानों वाला और सूंड वाला बहुत बड़ा जीव होता है. सच में पूरे जंगल में उससे कुछ और बड़ा नहीं होता है. पर ऐसा नहीं है कि आकार ही सब कुछ होता है," बाघ ने अपने छोटे मेहमानों को देखा और कहा, "तुम मेरी बात पर विश्वास नहीं कर रहे हो."

"देखो," ओज़ी ने कहा, "ऐसा बिल्कुल नहीं है. लेकिन जंगल का सबसे बड़ा प्राणी हमसे भला कैसे डर सकता है? हमें इस पर विश्वास नहीं होता है."

"हम्म," बाघ ने कहा. उसने अपने कान ऊपर किए, एक पल के लिए हवा की आवाज़ सुनी, और फिर कहा, "तुम मेरी पीठ के ऊपर चढ़ो. मैं खड़ा होने जा रहा हूं." जब वो खड़ा हुआ और अपने पैरों पर चलने लगा तो दो चूहे उसकी रीढ़ की हड्डी से चिपके हुए थे. "आप एक महान जानवर को हमें घुमाते हुए देख सकते हैं?"

दोनों चूहों ने देखा, झपकी ली और फिर देखा. फिर वे बाघ की खाल में ऐसे खो गए जैसे वे घास में छिपे हों. एक संकरे रास्ते के साथ एक जबरदस्त, धूसर, लम्बे कान वाला, नली जैसी नाक वाला, मोटे पैरों वाला एक प्राणी आया जो निश्चित रूप से किसी भी जीवित चीज़ से बड़ा था.

"अलविदा, बॉब," ओज़ी ने कहा.

"अलविदा," बॉब ने फुसफुसाया.

"देखो वो है हाथी!" बाघ ने कहा.

हाथी एक बड़े पड़ाव पर आया, उसने बाघ की ओर देखा और कहा, "अच्छा?"

"आओ देखो मेरी पीठ पर क्या है," बाघ ने चालाकी से हाथी को आमंत्रित किया.

"क्यों?"

"मैं अपने दोस्तों के लिए एक बात साबित करने की कोशिश कर रहा हूँ."

हाथी शक के मारे आगे बढ़ा. "तुम्हारे मित्र कहाँ हैं?"

"यहाँ मेरी पीठ पर," बाघ ने कहा. "देखो!"

हाथी झुका, उसने बाघ के फर में रेंगते हुए दो चूहों को देखा. उन्हें देखकर महान सूंड वाला वो जानवर कांपने लगा. वो मुड़ा और फिर अपनी सूंड को बेतहाशा लहराते हुए वहां से नीचे भाग गया.

"मैंने तुमसे क्या कहा था?" बाघ ने हाथी के दूर जाने के बाद कहा. "वो केवल चूहों से डरता है. लेकिन वैसे वो बहादुर है, और इसमें शर्मिंदा होने की कोई बात नहीं है ... हम सभी एक-दो चीज़ों से डरते हैं. हम सभी डरते हैं. लेकिन मैं बिल्कुल नहीं डरता हूँ," उसने विनम्रता से कहा. "लेकिन फिर ... मैं एक बाघ हूँ."

बॉब और ओज़ी ने जो कुछ अभी देखा था, उससे वे उबर रहे थे. एक इमारत जितना बड़ा जानवर उन्हें देखते ही भाग गया था.

"अगर हम घर पर यह बात बताएँगे तो क्या लोग हम पर विश्वास करेंगे?" बॉब ने कहा.

"क्या हम उन्हें यह बताने के लिए ज़िंदा रहेंगे?" ओज़ी ने कहा.

बाघ ने अपने नीले कॉलर को निहारते हुए, अपनी पूंछ को शान से लहराना शुरू किया, और चूहे जोर-जोर से चिल्लाने लगे. "बाघ! ज़रा सावधानी बरतो!"

"ओह ... क्या मैं आपको परेशान कर रहा हूं? क्षमा करें, मैं तो सिर्फ इस अद्भुत भेट की प्रशंसा कर रहा था. क्या आपको नहीं लगता कि वो नीला रंग मुझ पर बहुत अच्छा लग रहा है?"

"वो वाकई बहुत अच्छा लग रहा है," बॉब और ओज़ी ने एक साथ कहा. बाघ ने उपहार के लिए औपचारिक रूप से उन्हें धन्यवाद दिया. बाघ ने कहा, "मैं इस भेंट के बदले में तुम्हारे लिए क्या कर सकता हूँ?" उसके बाद चूहों ने एक-दूसरे को आशा से देखा.

"क्या आप हमें हमारे जहाज़ तक ले जा सकते हैं," ओज़ी ने कहा. "ताकि हम घर जा सकें?"

बाघ ने सोचा. "मैं तुम्हें जहाज तक नहीं ले जा सकता," बाघ ने कहा. "उससे एक बड़ा हंगामा खड़ा होगा. लेकिन मैं तुम्हें उसके काफी करीब ले जा सकता हूं और वहां से तुम्हें रास्ता बता सकता हूं. क्या वो ठीक रहेगा?"

यह चूहों की अपेक्षा से कहीं अधिक था. और चूहों ने अपनी आँखों में आँसुओं के साथ सिर हिलाया, यह सोचकर कि वे फिर से अपना घर देख पाएंगे. वे इतने अकेले थे कि उस समय वो पोर्टमैन के दर्शन का भी स्वागत करते.

एक कोमल लहरदार चाल के साथ, बाघ संकरे रास्ते से जंगल के किनारे दौड़ता रहा, हर समय वो अपनी पूंछ को ऊँचा रखता था जिससे वो नीले कॉलर पर लगी घंटी को बजाता रहे.

"हम पहुँच चुके हैं," उसने लंबे समय के बाद कहा. "अब, तुम बस अंधेरा होने तक प्रतीक्षा करो, और फिर सीधे सड़क पर जाओ, और तुम उस छोटे से शहर में आ जाओगे जहां जहाज़ बंधा हुआ होगा. मुझे लगता है कि बेहतर होगा कि तुम लोग सीधे घर जाओ. रास्ते में कहीं रुकना नहीं."

"हम सपने में भी रुकने की बात नहीं सोच सकते," ओज़ी ने कहा.

"हम घर जाना चाहते हैं," बॉब ने कहा. "उन्हें यह बताने के लिए कि हमने एक बाघ को कैसे घंटी बाँधी."

बाघ ने सोचा, फिर सिर हिलाया. "मुझे लगता है कि यह बड़ी नासमझी होगी. लोग आपको शेखी बघारने वाला समझेंगे. यह कोई अच्छी बात नहीं होगी. इसके अलावा कोई आप पर विश्वास भी नहीं करेगा? कोई भी बाघ को घंटी नहीं बाँध सकता है. यह असंभव है."

"फिर भी," ओज़ी ने धीरे से कहा, "लेकिन हमने वो काम किया."

"वो काम फिर भी असंभव है," बाघ ने गर्व से कहा.

बॉब और ओज़ी ने सोचा कि शायद उसका मतलब डींग मारने से था. लेकिन वे चुप रहे. कुछ देर में बड़ी काली-सोने की बिल्ली मुड़ी और अपनी पूंछ को ऊंचा उठाए हुए पेड़ के झुरमुटों में गायब हो गई. चूहे उसे तब तक देखते रहे जब तक वो गायब नहीं हो गई. फिर वे एक फूल वाले पेड़ के नीचे बैठ गए और अंधेरे और जहाज के आने का इंतजार करने लगे जो उन्हें घर ले जाएगा.

वापिसी की यात्रा भी आने वाली यात्रा की तरह ही थी, सिवाए इसके कि अब उनके पास ढोने के लिए कोई कॉलर नहीं था, इसलिए उनके लिए रस्सी से नीचे खिसकना और शहर की ओर जाना आसान था, जबकि गोदी की बिल्ली अपनी आँखें बंद करके अपने कान धोती रही.

जब वे घर पहुंचे तो काफी हंगामा हुआ. रसोई के चूहे ने कहा कि पोर्टमैन बिना अनुमति के चले जाने से उनसे बहुत नाराज था.

"वो अभी कोठरी में एक बैठक कर रहा है." रसोई वाले चूहे ने कहा, "और मुझे तुम दोनों को उसके पास ले जाना होगा. ओह, मुझे तुम्हारे लिए बहुत-बहुत खेद है, बॉब और ओज़ी."

"वो हमारी गलती नहीं थी," बॉब ने कहा.

"जैसे कि पोर्टमैन के लिए उसका गुस्सा कोई मायने रखता है," रसोई वाले चूहे ने कहा. "मेरे पीछे चलो, गरीब बेचारों."

"सब लोग चुप रहें!" पोर्टमैन चिल्लाया. बॉब और ओज़ी उसके सामने खड़े थे. "चुप रहो!" वो आगे झुका, चकाचौंध, तेज, अपने आक्रोश में उसने कहा, "अब तुम दोनों को अपनी सफाई में क्या कहना है?"

बॉब और ओज़ी आतंक से प्रभावित होने का इंतज़ार कर रहे थे, क्योंकि पुराने दिनों में उनके साथ वैसा ही होता था. लेकिन कई मिनट बीत गए पर वे बिल्कुल डरे नहीं. यदि आप एक विश्व यात्री हैं जिन्होंने एक बाघ की पूँछ में घंटी बाँधी है और एक हाथी को डराकर जंगल में भेज दिया है, तो फिर आपके लिए एक चूहे से डरना मुश्किल है, चाहें वो चूहा पोर्टमैन की तरह खौफनाक क्यों न हो.

"अच्छा अच्छा?" पोर्टमैन ने कहा. "बोलो! तुम्हें क्या कहना है?"

ओज़ी ने बॉब को देखा और फिर वापस पोर्टमैन की ओर देखा. "हम अब तहखाने से निकलकर अब ऊपर जाना चाहते हैं." उन्होंने कहा.

बॉब ने अपना सिर हिलाया. "हम दोनों अब पेंट्री चूहे बनना चाहते हैं."

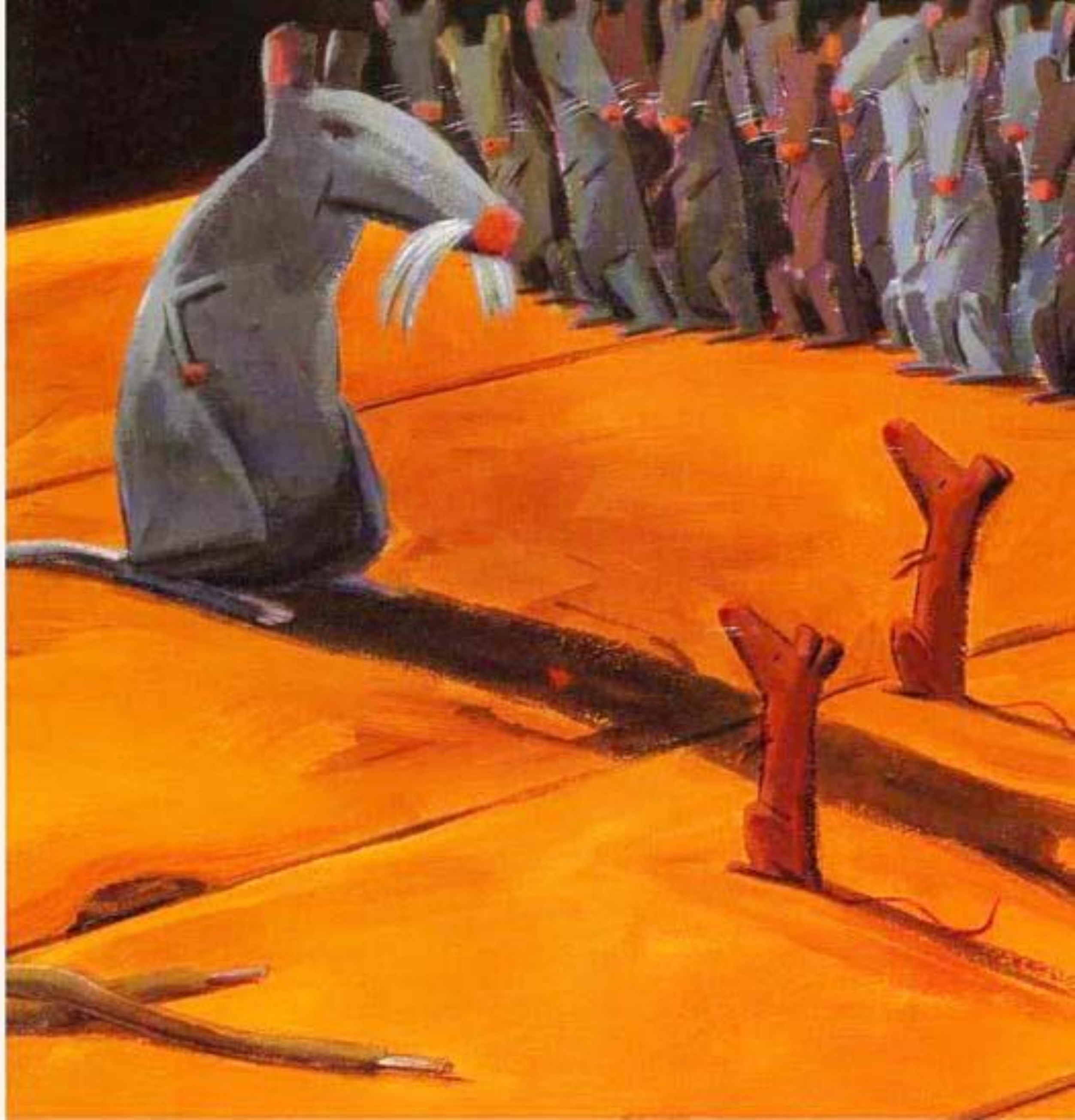

बैठक में आश्चर्य की लहर फैल गई, और पोर्टमैन को ऐसा लग रहा था जैसे वो अपनी मूंछें गिराने जा रहा था.

"तुमने क्या कहा?" उसने मांग की, उन छोटे चूहों को भयभीत करने का दूसरा मौका था. "अपनी बात को दुबारा बताओ!"

"हमें लगता है कि हमारे पास पेंट्री चूहे होने का पर्याप्त अनुभव है," ओज़ी ने दृढ़ता से कहा.

पोर्टमैन ने मदद के लिए इधर-उधर देखा और फिर ठहाका मारकर बैठ गया. "हम्फ." उसने कहा. "हम्फ, हम्फ." उसने अपना कान खुजलाया. "तुम्हें ऐसा क्यों लगता है?" उसने आखिर में कहा. "तुम गलती से एक जहाज़ पर सवार हो गए. अब तुम ऐसा अभिनय कर रहे हो जैसे तुमने बड़ी बहादुरी का काम किया हो."

ओज़ी और बॉब शेखी मारने वालों के रूप में जाने जाने की इच्छा नहीं रखते थे, और वे जानते थे कि कोई भी उनके कारनामों के एक शब्द पर विश्वास नहीं करेगा, इसलिए वे चुपचाप जमीन पर खड़े रहे. उन्होंने अपने पीछे के चूहों को कुछ फुसफुसाते हुए सुना, और उन्होंने देखा कि पोर्टमैन की उग्र अभिव्यक्ति अब हैरानी में बदल रही थी. कुछ देर बाद पोर्टमैन खड़ा हुआ और उसने कहा, "चलो हम सबसे पूछते हैं. क्या इन अहंकारी चूहों को पेंट्री में भेजकर उनकी उन्नति की जाए या नहीं?"

"हाँ, हाँ." चूहे चिल्लाए. उन्हें खुशी हुई कि आखिरकार कोई तो उस अत्याचारी मुख्य चूहे को चुनौती देने के लिए खड़ा हुआ था.

"ठीक है," पोर्टमैन ने बड़बड़ाते हुए कहा. "देखो, तुम हमारा अपमान नहीं करना." फिर उसने एक पल के लिए तालियां बजाने की अनुमति दी, फिर चुप्पी के लिए उसने अपना पंजा उठाया. "और अब हमारे एजेंडे में दूसरी बात है. वो दिन की सबसे महत्वपूर्ण खबर यह है: बिल्ली के गले में घंटी बजाना असंभव है!"

कोठरी में एक बड़ा आक्रोश फैला और हलचल मची और पोर्टमैन को अपना ध्यान वापस पाने के लिए दुबारा जोर से चीखना पड़ा.

"यह सच है," उसने कहा जब अंत में बैठक शांत हुई. "लिविंग-रूम वाले चूहे और मैंने खुद बच्चों के पिता को एक कहानी पढ़ते हुए सुना जिसमें चूहों ने वही किया जो हमने करने की कोशिश की. वे एक कोठरी में मिले और उन्होंने बिल्ली के गले में घंटी बजाने का फैसला लिया. ऐसा लगता है कि यह एक कोई मूल विचार बिल्कुल नहीं है ... इस बात को कई लोगों ने पहले सोचा है."

पोर्टमैन को किसी ने बीच में नहीं टोका.

"इस कहानी के अनुसार," पोर्टमैन ने आगे कहा, "चूहों की यह प्रथा रही है कि वे बिल्ली के गले में घंटी बांधना चाहते थे और वे ऐसा करने में हमेशा विफल रहे यह भी परंपरा का हिस्सा है. हम यहां परंपरा को चुनौती देने के लिए नहीं खड़े हुए हैं. अगर किताब कहती है कि किसी बिल्ली के गले में घंटी नहीं बाँधी जा सकती है, तो हमें उस बात को सच मानना चाहिए. अब हम लोग इस विषय पर आगे और चर्चा नहीं करेंगे."

कुछ शोरगुल और तालियों की गड़गड़ाहट के बीच पोर्टमैन बैठ गया.

"बिल्कुल वही," ओज़ी ने और बॉब ने उस रात पेंट्री के एक कोने में लेटते हुए कहा, "हमने एक बहुत बड़ी बिल्ली को घंटी बाँधी. पर लोग हम पर विश्वास नहीं करेंगे."

"पर हम एक-दूसरे पर तो विश्वास कर ही सकते हैं," बॉब ने कहा.

एक लंबी चुप्पी के बाद ओज़ी ने कहा. "मुझे खुशी है कि पोर्टमैन यह नहीं जानता है कि वो एक हाथी को डरा सकता है."

"अच्छा ही है," बॉब ने नींद से कहा. "अब हमें पोर्टमैन को झेलना नहीं होगा."

फिर उन दोनों ने अपनी पूंछ एक दूसरे की पीठ पर टिकाई और सो गए.

अंत